

विधि (प्रश्न-पत्र-II)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

दो खण्डों में कुल आठ प्रश्न दिए गए हैं जो हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

LAW (PAPER-II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate^o has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए (आवश्यक है कि प्रत्येक भाग का उत्तर 125 शब्दों से अधिक न हो)। अपने उत्तर को विधिक उपबंधों और विनिश्चित केसों की सहायता से बल प्रदान कीजिए :

Answer the following (answer to each part must not exceed 125 words). Support your answer with the help of legal provisions and decided cases : 10×5=50

- (a) “शब्द ‘स्वेच्छया’, जिस प्रकार कि भारतीय दंड संहिता में उसका इस्तेमाल किया गया है, अत्यंत महत्वपूर्ण है और उसका अर्थ रज़ामंदीपूर्वक नहीं है बल्कि ज्ञानपूर्वक या इरादतन है।” स्पष्ट कीजिए।

“The word ‘Voluntary’ as used in the Indian Penal Code is very significant and it does not mean willingly but knowingly or intentionally.” Explain.

- (b) “नकली पुलिस मुठभेड़ें और कुछ नहीं केवल हत्याएँ हैं और स्वयं पर विधि के किसी संरक्षण के बिना उनको करने वाले पुलिस अधिकारी मृत्युदंड के पात्र होते हैं, क्योंकि ऐसे केस दुर्लभतम की भी दुर्लभ कोर्ट में आते हैं।” टिप्पणी कीजिए।

“Fake police encounters are nothing but murders and police officers committing it without any protection of law to them deserve death penalty as the cases fall into rarer of the rarest category.” Comment.

- (c) “अपकृत्य के रूप में न्यूसेंस का मतलब किसी व्यक्ति के भूमि के उपयोग करने अथवा आनंद करने अथवा उस पर अथवा उसके संबंध में कुछ अधिकार होने के साथ विधिविरुद्ध बाधा करना है।” टिप्पणी कीजिए।

“Nuisance as a tort means an unlawful interference with a person’s use or enjoyment of land or some right over or in connection with it.” Comment.

- (d) “अस्वैच्छिक मत्तता एक प्रतिरक्षा है।” प्रतिरक्षा के रूप में मत्तता से संबंधित विधि का समालोचनापूर्ण परीक्षण कीजिए।

“Involuntary drunkenness is a defence.” Critically examine the law relating to intoxication as defence.

- (e) “उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अधीन दिए गए शब्द ‘उपभोक्ता’ की परिभाषा उस शब्द को एक नितांत नया विधिक वर्ण और परिधि प्रदान करती है।” इस कथन के प्रकाश में ‘उपभोक्ता’ शब्द को स्पष्ट कीजिए।

“The definition given under the Consumer Protection Act, 1986 gives altogether a new legal colour and scope to the term ‘Consumer’.” In the light of this statement, explain the term ‘Consumer’.

2. (a) ‘समलिंगकामियों’ के जीवन को दर्शाने वाली एक फिल्म के प्रस्तुतकर्ता X पर भारतीय दंड संहिता की धारा 292 के अधीन, यह कहकर कि फिल्म अश्लील और अशिष्ट थी, अभियोजन चलाया जाता है। फिल्म को लोक प्रदर्शन के लिए भारतीय फिल्म सेंसर बोर्ड से प्रमाणपत्र मिला था।

X अपने पर लगे आरोप पर, भारतीय दंड संहिता की धारा 79 के अधीन, संरक्षण का दावा करने का इरादा रखता है। क्या वह ऐसा कर सकता है? अपने उत्तर के पक्ष में दलील दीजिए।

X, the producer of a film showing life of ‘homosexuals’, is prosecuted under Section 292 of the Indian Penal Code, alleging that the film was obscene and indecent. The film was certified by the Censor Board of Film of India for public shows.

X intends to claim protection against his charge under Section 79 of the Indian Penal Code. Can he do so? Justify your answer.

25

- (b) उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदा से सैकड़ों लोग मृत्यु का ग्रास बने। कुछ लोग इन शवों से स्वर्ण आभूषणों, घड़ियों और अन्य मूल्यवान वस्तुओं को उतारते हुए देखे गए। कुछ दिनों के बाद, पुलिस ने उनको पकड़ा और उन पर अभियोजन चलाना चाहा। भारतीय दंड संहिता के किन उपबंधों के अधीन उन पर अभियोजन किया जा सकता है? चर्चा कीजिए।

The natural calamity in Uttarakhand left hundreds dead. Some people were seen removing gold ornaments, watches and other valuables from these dead bodies. Few days later, police apprehended them and wanted to prosecute them. Under which provisions of the Indian Penal Code can they be prosecuted? Discuss.

25

3. (a) “हमला प्रतिरक्षक का वह कृत्य है जो वादी में प्रतिरक्षक के द्वारा उस पर प्रहार किए जाने की युक्तियुक्त आशंका का कारण बनता है।” टिप्पणी कीजिए तथा हमला और प्रहार के बीच विभेदन कीजिए।

“Assault is an act of the defendant which causes to the plaintiff reasonable apprehension of the infliction of a battery on him by the defendant.” Comment and distinguish between assault and battery.

20

- (b) X ई-मेल भेजता है Y को, जिसमें उसके विरुद्ध मानहानिकारक सामग्री है। ई-मेल Y को प्राप्त होती है, जो उसको पढ़ने के पश्चात् विलोप कर देता है। क्या X उस प्रकाशन के लिए दायी है? संबंधित केस विधि का हवाला दीजिए।

X sends an e-mail to Y containing defamatory matters against him. The e-mail is received by Y who deletes it after reading. Is X liable for publication? Refer to relevant case law.

15

- (c) कार चलाते हुए X अचानक बेहोश हो गया और अपनी सीट पर गिर पड़ा। कार अनियंत्रित हो गई, वह Y से जा टकराई और उसने Y को मार डाला। X के दायित्व पर चर्चा कीजिए।

X, while driving car, suddenly became unconscious and fell back in his seat. The car became uncontrolled, it hit and killed Y. Discuss the liability of X.

15

4. (a) “अभिवचन सौदाकारी, जिसको असंवैधानिक, अवैध और शिकायत प्रोत्साहित करने वाली और न्याय की शुद्ध बाजीगिरी की दुस्संधि और प्रदूषण को प्रोत्साहन देने की प्रवृत्ति वाली समझा जाता था, अब भारतीय आपराधिक विधि के अधीन दंडादेश का एक भाग है।” टिप्पणी कीजिए।

“Plea bargaining, which was considered unconstitutional, illegal and tending to encourage complaint, collusion and pollution of the pure punt of justice, is now a part of sentencing under the Indian Criminal Law.” Comment.

25

- (b) Q द्वारा अपने प्रेमी P से विवाह का इन्कार करने के फलस्वरूप P अवसादग्रस्त हो गया। P के एक मित्र R ने, इस इरादे से कि ऐसा करने से P सदमे से बाहर निकल आएगा, P को बदला लेने का सुझाव दिया। R ने P को अम्ल समझते हुए द्रव की एक बोतल दी। P ने अंधेरे में X को Q समझकर उस (X) पर वह फेंक दी, जिसके फलस्वरूप X के चेहरे पर फफोले हो गए जो कालांतर में भयानक क्षति का कारण बने। अन्वेषणों से सामने आया कि वह अम्ल नहीं था, लेकिन कवकनाशी का एक सांद्र था। P और R को जो भी प्रतिरक्षाएँ उपलब्ध हो सकती हैं, उनको ध्यान में रखते हुए इस केस में P और R के दायित्व को विनिश्चित कीजिए।

Q refused to marry her boyfriend P, resulting into P's depression. Mr. R, a friend of P, suggested him to take revenge with an intention that P will come out of shock. R provided P with a bottle of liquid believing it as acid. P mistook X to be Q in darkness and threw it on her (X) causing rashes on the face of X, which later resulted into serious injuries. The investigations revealed that it was not acid but was a concentrate of fungicide. Decide the liability of P and R in this case, keeping in mind that defences which may be available to P and R.

25

5. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए (आवश्यक है कि प्रत्येक भाग का उत्तर 125 शब्दों से अधिक न हो)। अपने उत्तर को विधिक उपबंधों और विनिश्चित केंसों से बल प्रदान कीजिए :

Answer the following (answer to each part must not exceed 125 words). Support your answer with legal provisions and decided cases :

10×5=50

- (a) “‘क्षतिपूर्ति’ का संबंध या तो स्वयं क्षतिपूर्तिकर्ता के या किसी परव्यक्ति के आचरण से होता है। ‘गारंटी’ सदैव ही परव्यक्ति के आचरण से संबंधित होती है।” सविस्तार स्पष्ट कीजिए।
“‘Indemnity’ has relation to the conduct either of the indemnifier himself or of a third party. A ‘Guarantee’ is always related to the conduct of a third party.” Elucidate.
- (b) “‘संविदात्मक संबंध अब कोई नियम नहीं रह गया है, बल्कि केवल अपवाद रह गया है।’ आधुनिक संव्यवहारों के संदर्भ में इसको स्पष्ट कीजिए।
“Privity of contract is no longer a rule but only an exception.” Explain in the context of modern transactions.
- (c) “‘कॉपीराइट का अस्तित्व अभिव्यक्ति में होता है परंतु विचार में नहीं।’ कॉपीराइट अधिनियम के उपबंधों और निर्णयजन्य विधि की सहायता से इस पर चर्चा कीजिए।
“The copyright exists in expression but not in idea.” Discuss with the help of the provisions of Copyright Act and case law.
- (d) “‘व्यपदेशन करना’ का सिद्धांत विबंधन के सिद्धांत पर आधारित है।” सविस्तार सुस्पष्ट कीजिए।
“The principle of ‘holding out’ is based on the principle of estoppel.” Elucidate.
- (e) “‘लिखत जब एक बार सम्यक् अनुक्रम में धारक के हाथों से गुजर जाती है, तो वह सभी त्रुटियों से शुद्ध हो जाती है, वह चालू सिक्के के समान विशुद्ध होती है।’ स्पष्ट कीजिए।
“Once an instrument passes through the hands of a holder in due course, it is purged of all defects, it is true like a current coin.” Explain.
6. (a) “यह विधि का एक सामान्य कथन रहा है कि जबकि कुछ विशेष प्रकारों की पारस्परिक गलती के लिए राहत उपलब्ध होती है, जब तक अन्य व्यक्ति को गलती की जानकारी न हो या गलती को जानने का कोई कारण न हो, तब तक वह एकपक्षीय गलती के लिए अनुपलब्ध होती है।” अग्रणी निर्णयजन्य विधि के साथ, इस कथन का समालोचनापूर्ण परीक्षण कीजिए।
“It has been a common statement of the law that while relief is available for certain kinds of mutual mistake, it is unavailable for unilateral mistake unless the other party knew or had reason to know of the mistake.” Critically examine the statement with leading case law. 25
- (b) शब्द ‘आविष्कारशील चरण’, जिस रूप में उसको पेटेंट (संशोधन) अधिनियम, 2005 में समाविष्ट किया गया है, का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। क्या आप वर्तमान परिभाषा से सहमत हैं? हाल की निर्णयजन्य विधि का हवाला दीजिए।
Critically analyse the term ‘inventive steps’ as incorporated under the Patent (Amendment) Act, 2005. Do you agree with the present definition? Refer to recent case law. 25

7. (a) “सभी राजनीतिक दलों के द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में संशोधन करने का प्रयास, इस देश में शासन की पारदर्शिता की ओर के कदमों को विध्वस्त कर देना है।” इस कथन का समालोचनापूर्वक मूल्यांकन कीजिए।

“An attempt by all political parties to bring amendments to the RTI Act, 2005 is to sabotage the steps towards transparency of governance in this country.” Critically evaluate the statement.

25

- (b) सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक या राजनीतिक अधिकारों या सिविल स्वतंत्रताओं या लैंगिक चिंताओं के से मामलों में भारत में कोर्टों में अधिकारिता के कठोर नियमों के बजाय चिरप्रचलित या मुकदमेबाजी सक्षमता के ढीले नियमों को लागू करने की प्रवृत्ति रही है। चर्चा कीजिए।

In matters such as enforcement of social, economic, cultural or political rights or civil liberties or gender concerns, courts in India have been inclined to apply relaxed rules of standing or litigational competence rather than strict rules of locus. Discuss.

25

8. (a) भारत में प्रतियोगिता विधि ने प्रत्याशित परिणाम प्राप्त नहीं किया है। जिन मार्गावरोधों से यह ग्रस्त है, उन पर चर्चा कीजिए और इसको लाभदायक बनाने के लिए आवश्यक उपचार सुझाइए।

Competition Law in India has not achieved the result as was expected. Discuss the bottlenecks with which it suffers and suggest the remedies necessary to make it fruitful.

25

- (b) निगमों द्वारा समुद्रतटों पर विद्यमान वन्यजीवन की तबाही पैदा करना पर्यावरणीय अपराध का एक चरम प्रकार है और उनसे सीधे निपटने के लिए कानून लगभग अनुपस्थित हैं। चर्चा कीजिए।

Corporates causing havoc to the wildlife existing on seashores is an extreme type of environmental crime and laws are almost non-existent to deal with them directly. Discuss.

25

★ ★ ★